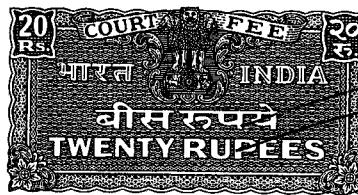


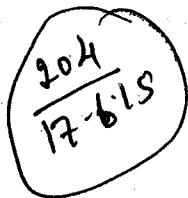
नाथालय श्रीमान् राजस्व मण्डल म०प्र० एवा लिखर ईम्प रीका ₹५०५००



₹५०५०

निगरानी २२०७-१-८

- १- श्रीमती लकिता देवी पत्नी बाबूराम दिवेदी
- २- बाबूराम पिता स्व० श्री हश्चरीप्रसा द्वारा स० मटीकला, तहसील-
नागौद, जिला-साना ₹५०५०० आवेदकगण



विस्तृ

- १- रामचुंक तनय हश्चरी प्रसा द्वारा
- २- राजेश पिता स्व० राजेन्द्र प्रसा द
दोनों नवासी ग्राम मटीकला, तहसील-नागौद, जिला-साना
₹५०५०० अनावेदकगण

श्री...मर्गीलप्रसाद अधिकारी
द्वारा आज दिनांक १७-६-१५ के
प्रस्तुत किया गया।

सिंह बोर्ड रीली

निगरानी विस्तृ निर्णय व आवेदा

अनुविभागीयाधिकारी, तहसील-
नागौद, जिला-साना व प्रबंधण
क्रमांक - १६/अपील/२०११-२०१२

निर्णय दिनांक - ११/६/२०१५.
उन्तर्गत धारा - ५० म०प्र० भू- राजस्व
संहिता १९५९ई.

निगरानी आवेदन-फा व आधार निम्न हैं :-

क्रमांक ५८६२
रजिस्टर्ड ऑफिस द्वारा आज
दिनांक..... को प्राप्त
वल के लिए कोर्ट मान्यवर,
राजस्व मण्डल न.प्र.वालियर

वल के लिए कोर्ट मान्यवर,

राजस्व मण्डल न.प्र.वालियर

५०५०० यह फि स्व० हश्चरी प्रसा द व तीन पुत्र थे जिनका बटनवारा
हो चुका है, और वे बटनवारे के अनुसार अपनी -अपनी भूमियों में
मालिक काविज व भूमि स्वामी हो चुके हैं। स्व० हश्चरीप्रसा द ने
अपने विस्ते की भूमियों बृद्धावस्था में सेवा करनेवाली अपनी पुत्रबूढ़ी
श्रीमती लालतादेवी के पास में दिनांक ११/६/७५ को एक वसीयतनामा
लिखकर अपनी विस्ते में प्राप्त भूमियों कानूनी यतना मा कर दिया था।
फिर हश्चरी प्रसा द वी मर्त्य वर्ष २००३ है में हो गयी फलस्वरूप

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक R. २२०७/प./१५.....जिला(लता)

स्थान तथा दिनांक	लोकता कार्यवाही तथा आदेश रामसू-८।	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
29/9/15	<p>आवेदक डॉमो. श्री मंगल प्रसाद सुब्रता उपर्युक्त आवेदक डॉमो. को एकाजु में ग्राम्यता पर छुना गया।</p> <p>एकाजु में मुख्य विनाद लाइनर नामा के आधार पर श्री मती भीमहादी के पक्ष में इस नार्मातजु के बोर्डिंग है।</p> <p>उक्त बोर्डिंग में आवेदक डॉमो. हाई बोर्ड तक प्रस्तुत किये गये जो लिंगरुमी ग्रामी में स्थित है। जिसके आधार पर निगरानी ग्राम्य केस का निवेदन किया गया। लाइनर पर भी निवेदन किया गया कि आधीनस्थ - पायालय लिंगरुमी ग्रामी में एकाजु में गवाही निरस्त की जावे तथा युजीदेष के आधार पर निर्णय पारह करने के आवश्यक तिर जावे।</p> <p>एकाजु में आवेदक डॉमो. के हकीं के द्वारा डॉमो. - पायालय के डिपार्टमेंट दिनांक ११-६-१५ की आठविं शती का छावलीकरण किया गया। जिसमें आवेदक (जो इस निगरानी भी आवेदक है) ने अपने घास के पक्ष को लिंगरुमी ग्रामी के द्वारा देखा गया तथा उसका आवाहन दिया गया। एकाजु घास के पक्ष के द्वारा देखा गया तथा उसका आवाहन दिया गया।</p> <p>एकाजु में आधीनस्थ - पायालय वह एकाजु को डॉमो. पारह नहीं किया गया है जिससे किसी पक्ष के द्वारा उमारिन देने वाले होने की ओर लगावना हो। जबकि एकाजु डॉमो.</p>	
		[कृ. प. ३.]

Fog

लोलिल देवी वॉटर इम्प्रेसर्स

R. 2207-ह/15-लरा

स्थान तथा दिनांक

(ब)

स्थान तथा दिनांक	भास्त्रा कार्यवाही तथा आदेश	प्रभास-प पक्षकारों एवं अधिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
	<p>यामालम में लिखित अनुच्छान हैं ऐसे स्थिर में व्युत्तिभाग्याधिकारी के शोषणमें उनकोप की आवश्यकता नहीं है।</p> <p>उपर्युक्त रूपों के प्रकारमें उनका में ग्राम्यरा का प्रभृति आधार ही है जो एकज डाक्टर किया जाता है। प्रकार दिये हैं। १५०८०८० है।</p> <p style="text-align: right;">(A)</p> <p style="text-align: right;">लप्त्य</p>	